पाठ 8. पहनावे का समाजिक इतिहास

अभ्यास

Q1. अठारहवीं शताब्दी में पोशाक शैलियों और सामग्री में आए बदलावों के क्या कारण थे?

Q2. फ्रांस के सम्प्चुअरी कानून क्या थे?

Q3. यूरोपीय पोशाक संहिता और भारतीय पोशाक संहिता के बीच कोई दो फर्क बताइए।

Q4. 1805 में अंग्रेज अफसर बेंजमिन हाइन ने बंगलोर में बनने वाली चीजों की एक सूची बनाई थी, जिसमें निम्नलिखित उत्पाद भी शामिल थेः

- अलग-अलग किस्म और नाम वाले शनाना कपड़े।
- मोटी छींट
- मखमल
- रेशमी कपड़े

बताइए कि बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में इनमें से कौन-कौन से किस्म के कपड़े प्रयोग से बाहर चले गए होंगे, और क्यों?

Q5. उन्नीसवीं सदी के भारत में औरतें परंपरागत कपड़े क्यों पहनती रहीं जबकि पुरुष पश्चिमी कपड़े पहनने लगे थे? इससे समाज में औरतों की स्थिति के बारे में क्या पता चलता है?

Q6. विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि महात्मा गाँधी राजद्रोही मिडिल टेम्पल वकील' से ज्यादा कुछ नहीं हैं और 'अर्धनंगे फकीर का दिखावा' कर रहे हैं। चर्चिल ने यह वक्तव्य क्यों दिया और इससे महात्मा गाँधी की पोशाक की प्रतीकात्मक शक्ति के बारे में क्या पता चलता है?

Q7. समूचे राष्ट्र को खादी पहनाने का गांधीजी सपना भारतीय जनता के केवल कुछ हिस्सों तक ही सीमित क्यों रहा?